

Peace



Sanjay Yadav, Savli CP

शांति हमारी ऊर्जा का स्रोत है।
**Peace is the source of
our energy.**

Sahil Shah 8th Std

हमारे समाज में महिलाओं की ऐसी हालत क्यों करी जा रही है।

किसी महिला को मारा जा रहा है, तो किसी महिला को जलाया जा रहा है।

क्या खेल खेल रहे हो महिलाओं के जीवन के साथ।

किसी को घर में बंद तो किसी को मार रहे हो।

सम्मान नहीं कर सकते किसी भी महिला का तो क्या इनकी इज्जत उतर रहे हो।

इस छोटीसी जिंदगी में क्या इन्हें तंग कर रहे हो।

गलतियां तो खुद करते हो पर अपनी गलतियां किसी महिला पर थोपे जा रहे हो।

समाज में इन्हें भी हक्क है जीवन जीने का, क्यों इनका गला घोंटे जा रहे हो।

क्या छीन रहे हो खुशियाँ इनकी इन्हें भी जीने दो।

उड़ने दो इन्हें भी पक्षी की तरह आकाश में क्या इन्हें पिंजरे में बंद किया जा रहे हो।

Farzana Shaikh, Gyansakthi



Aarti Ulhas Gaikar, Jeevan

EDITORIAL BOARD

Savli CP Federation

Editorial Members:

Sanjay Yadav
Nitesh Bhojiya
Kuldeep Jaiswal

Gyansaathi CP Federation

Editorial Members:

Aliya Shaikh
Ayan Shaikh
Sahil Shah
Harsh Shaikh
Farzana Shaikh

Rural Child

Editorial Members:

Aarti Gaikar

Layout & Design

Roy Thomas

हिन्दू, मुस्लिम, सिख,
ईसाई हम सब हैं भाई
भाई हम सब का एक
ही नारा शांति भरा
देश हमारा

Ayan Shaikh, Gyansaathi



शान्ति शब्द तो सिर्फ दो अक्षरों का है पर इसमें ताकत बहुत है। शान्ति हमारे समाज के लोगों को एक जुट रखने का काम करती है। समाज में अगर शान्ति ना हो तो उस जगह पर लोगों के बीच हिंसा बहुत बढ़ जाती है, लोगो में भय उत्पन्न होता है।

आज के समय में हमारी दुनिया में बहुत सारे लोग भय के कारण अपना देश छोड़कर दूसरे देश में जा रहे हैं। ताकतवर देश, बड़े देश छोटे देशों पर हमला कर रहे हैं। आज दुनिया में शान्ति होना बहुत जरूरी है। शान्ति ही हमारे समाज में एकता बनाई रख सकती है।

Harsh Shaikh, Gyansaathi

“Thank you Savli for supporting me and every other child like me. I sincerely express my gratitude for giving us an opportunity to enlighten ourselves with good life values and skills.”
Akash Mondal, Savli Child

THE TAKE OFF

History has been a proof of the thousands of war which have taken place in all periods at different levels between nations. Thus, we learned that peace played an important role in ending these wars or even preventing some of them. It is after the thousands of destructive wars that humans realized the importance of peace. Earth needs peace in order to survive. This applies to every

angle including wars, pollution, natural disasters and more. When peace and harmony are maintained, things will continue to run smoothly without any delay. Moreover, it can be a saviour for many who do not wish to engage in any disrupting activities or more. In fact, if you take a look at all religious scriptures and ceremonies, you will realize that all of them teach peace. They mostly advocate eliminating war and

maintaining harmony. In other words, all of them hold out a sacred commitment to peace. While war destroys and disrupts, peace builds and strengthens as well as restores. Moreover, peace is personal which helps us achieve security and tranquillity and avoid anxiety and chaos to make our lives better.

Nitesh Bhojiya, Savli CP



शांति की संस्कृति एक रोमांचक और महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रस्ताव है, लेकिन यह किस हद तक सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में तब तक एक सुसंगत और फलदायी अवधारणा हो सकती है, यह बहस का विषय है। हमारे विचार में, शांति की संस्कृति पर अनुभवजन्य अध्ययन के विकास के लिए तीन बुनियादी समस्याएं हैं। सबसे पहले, अवधारणा यह मान लेती है कि संस्कृति स्थिर और सुसंगत है, लेकिन संस्कृति के वर्तमान दृष्टिकोण इस बात पर जोर देते हैं कि संस्कृति परिवर्तनशील और विरोधाभासी है। दूसरा, यह अवधारणा यह मान लेती है कि शांति को पश्चिमी राजनीतिक सिद्धांतों, जैसे राज्य संप्रभुता, के अनुसार परिभाषित किया जाना चाहिए। तीसरा, यह अवधारणा हिंसा और युद्ध को मूल रूप से समान घटनाओं के रूप में चित्रित करती है। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, हम एक परिवर्तनशील लिपि के रूप में शांति की संस्कृति

की एक वैकल्पिक परिभाषा का सुझाव देते हैं। इस स्क्रिप्ट में मूल्यों के तीन सेटों के निचले स्तर के समर्थन शामिल हैं जो युद्ध की मुख्य परिभाषा गतिविधियों से संबंधित हैं: व्यक्तियों का रणनीतिक निपटान, रसद जो धन को सम्मान के अधीन करती है, और बुद्धिमत्ता के रूप में अन्याय की बयानबाजी। हमने अनुभवजन्य रूप से इस परिकल्पना का परीक्षण किया है कि किस हद तक लोग परिवार से अधिक समाज को, सम्मान से अधिक धन को और न्याय से अधिक जीवन को महत्व देते हैं, और उन तरीकों की जांच करते हैं जिनमें उनकी पसंद युद्ध के प्रति उनकी सहिष्णुता से संबंधित है जैसा कि शांति द्वारा मापा जाता है। टेस्ट (मैकएलिस्टर, 2000)।

मनोविज्ञान एक अनोखा विज्ञान है क्योंकि इसकी अवधारणाएँ हमेशा अनुभवजन्य, आगमनात्मक खोज का परिणाम नहीं होती हैं। कुछ मामलों में, अवधारणाएँ नैतिक या राजनीतिक आवश्यकता से उत्पन्न होती हैं,

एक प्रारंभिक प्रस्थान बिंदु जिसका अनुभवजन्य साक्ष्य के साथ कोई आवश्यक संबंध नहीं होता है। इसका एक स्पष्ट उदाहरण भावनात्मक बुद्धिमत्ता की लोकप्रिय अवधारणा है। सलोवी और मेयर ने मूल रूप से इस अवधारणा का सुझाव दिया था

पुनर्मुद्रण के लिए अनुरोध जोस मिगुएल फर्नांडीज-डोल्स को भेजा जाना चाहिए। फैंकल्टाड डी साइकोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ऑटोमोमो डी मैड्रिड, 28049 मैड्रिड, स्पेन। ई-मेलरू

यह लेख पूरी तरह से व्यक्तिगत उपयोगकर्ता के व्यक्तिगत उपयोग के लिए है और इसे व्यापक रूप से प्रसारित नहीं किया जाना चाहिए।

इस दस्तावेज का कॉपीराइट अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन या उसके किसी सहयोगी प्रकाशक द्वारा किया गया है

Ronak Kori, Savli CP



The Path to a Harmonious Existence

By definition, peace is a state of tranquility, freedom from conflict, and absence of violence or hostility. It is a concept that has been sought after and cherished by individuals, communities, and nations throughout history. Countless wars, struggles, and revolutions have been fought in the name of peace, as people yearn for a world where harmony prevails. While some may argue that peace is an idealistic dream, it is a fundamental aspect of our

humanity and a crucial element for our collective well-being. Peace, at its core, is a state of mind. It is a conscious choice that individuals make to live in harmony with themselves and others. It entails resolving personal conflicts, cultivating empathy, and embracing. On a societal level, peace is essential for the progress and development of humanity. Conflict, violence, and war cause immense suffering, loss of life, and

destruction. They hinder economic growth, disrupt social structures, and divide communities. True peace is not merely the absence of violence, but the presence of understanding, compassion, and respect. It is an active process of healing wounds, bridging differences, and creating an environment conducive to mutual growth and prosperity.

Kuldeep Jaiswal, Savli CP

If you are peaceful, you will always be healthy.

आप शांत हो तो आप हमेशा स्वस्थ रहेंगे।

Aliya Shaikh, Gyansaathi